Food and Agriculture Organization of the United Nations

Ministry of Agriculture and Farmer's Welfare

Minister of Environment, Forest and Climate Change

GLOBAL ENVIRONMENT FACILITY
INVESTING IN OUR PLANET

"Green-Ag: Transforming Indian Agriculture for Global Environmental Benefits and the Conservation of Critical Biodiversity and Forest Landscapes"

ग्रीन-एग्रीकल्चर परियोजना

राजाजी-कॉर्बेट लैंडस्केप

उत्तराखण्ड

जैविक कृषि पद्धतियाँ

मंडुवा

पर्वतीय असिंचित क्षेत्रों में खरीफ फसल के रूप में मंडुवा प्रमुख फसल है। मंडुवा प्राकृतिक आहार एवं औषधि के रूप में हमारे स्वास्थ्य के लिये अति लाभदायक है। मंडुवा में प्रोटीन तथा कैल्सियम की मात्रा धान व गेहूँ से क्रमशः 35 तथा 8 गुना अधिक होती है।

पर्वतीय क्षेत्रों हेतु मुख्य प्रजातियाँ

मध्य अवधि (105 से 110 दिन) वी.एल.-149, वी.एल.-124 वी.एल.-315

अल्पकालीन (95 से 100 दिन) वी.एल.-204, पन्त मंडुवा-3 वी.एल.-146

बुआई का समय: 15 मई से माह जून का प्रथम सप्ताह।

बीज दर: 200 ग्राम/नाली की दर से बीज की बुआई करें।

खाद की मात्रा: 1-2 कु. बायो/वर्मी कम्पोस्ट प्रति नाली की दर से खेत की तैयारी करते समय मिट्टी में मिलायें।

सिंचाई: 2-3 सिंचाई की आवश्यकता होती है प्रथम 20-25 दिन के बाद द्वितीय 40-45 दिन के बाद तथा तीसरी सिंचाई करनी चाहिये।

खरपतवार नियंत्रण: बुवाई के 25-35 दिन के अन्दर निराई-गुडाई करके अवांछनीय पौधे निकाल देने चाहिये तथा घने पौधों को उखाड़ कर पौधे की दूरी ठीक कर देनी चाहिये।

खाद एवं उरवरक: 1 ली. गौमूत्र को 8-10 ली. पानी में मिलाकर प्रति नाली की दर से छिड़काव करें तथा 15-20 दिन के बाद दुबारा करें।

कीट एवं बीमारियों पर नियंत्रण

कुरमुला : कुरमुला की रोकथाम के लिए लैन्टाना की पत्तियों का 5-6 किग्रा चूर्ण बनाकर खेत की तैयारी करते समय मिट्टी में मिलायें (एक नाली क्षेत्रफल में)

दीमक: यह कीड़ा पौधों की जड़ों को खाता है जिससे पौधे सूख जाते हैं इसकी रोकथाम के लिये नीम आयल 1500 पी.पी.एम.-2 से 3 एम.एल. दवा को 1 ली. पानी में मिलाकर छिड़काव करें तथा सिंचाई करें।

उकठा : यह कवक द्वारा फैलने वाली बीमारी है, इसकी रोकथाम के लिये ट्राईकोडर्मा व स्यूडोमोनस से बीज शोधन करें। (5 ग्रा. ट्राईकोडर्मा व 5 ग्रा. स्यूडोमोनास) 200 एम.एल. पानी में मिलाकर प्रति किग्रा. बीज की दर से बीज का शोधन करें।

उपज : प्रति नाली 35 से 40 किलो मंडुवा प्राप्त होता है।

जलागम प्रबन्ध निदेशालय
उत्तराखण्ड

इन्दिरा नगर, फॉरेस्ट कालोनी, देहरादून

फोन: 0135-2768712
0135-2760170

ईमेल: wmd-ud@nic.in
वेब: www.umduk.gov.in

स्रोत : फसलों का जैविक उत्पादन एवं प्रबन्धन, जैविक खेती कार्यक्रम, कृषि विभाग, पौड़ी गढ़वाल